धाम दर्शन

वर्ष ४] १५ नवम्बर, १९८२ [अंक १

प्रेम, अनुशासन एवं सुन्दर व्यवस्था का प्रेरक

इन्चोली आश्रम

कैम्प—इन्चोली आश्रम, २५-९-८२

इस वर्ष दिनांक २२-९-८२ से २५-९-८२ तक मुझे श्री निजानन्द आश्रम इन्चोली आने का व रुकने का अवसर प्राप्त हुआ। यहाँ आने पर मुझे आत्मिक शान्ति की अनुभूति हुई। यहाँ के ट्रस्ट की व्यवस्था एवं अनुशासन सराहनीय है। जैसे ही मैं इन्चोली आश्रम के मुख्य द्वार के नजदीक पहुँचा श्री भाई जगदीशचन्द्र जी अहूजा वाहिद ट्रस्टी, ट्रस्टीगण व सुन्दर साथ जी सहित बैंड बाजे के साथ स्वागतार्थ पहुँचे व मुख्य द्वार से ही तिलक व माला से स्वागत किया व प्रेम विभोर होकर गले से लगा लिया।

यहाँ हजारों की संख्या में देश देशान्तर के सुन्दर साथ एकत्रित हुये व सुबह से लेकर रात्रि तक बराबर बहुत ही आकर्षक एवं सुन्दर कार्यक्रम जैसे कि श्री मुखवाणी का पाठ, प्रवचन, वाणी गायन एवं अन्य सांस्कृतिक कार्य क्रम चलते रहे। सुन्दर साथ के ठहरने एवं भोजन आदि की व्यवस्था बहुत ही सराहनीय है। इन सभी कार्य क्रमों व व्यवस्था का श्रेय श्री भाई जगदीशचन्द्र जी अहूजा को है जो पूर्ण लग्न व परिश्रम के साथ स्वयं हर व्यवस्था को देखते हैं। यहाँ पधारे हुए सुन्दर साथ में भी मैंने पूर्ण सेवा भाव देखा।

Nijanand App

श्री भाई जगदीश चन्द्र जी अहूजा के अथक परिश्रम व त्याग के फल स्वरूप ही इन्चोली आश्रम की उत्तरोत्तर तरक्की हो रही है। निज मन्दिर का निर्माण बड़े ही सुन्दर व आकर्षक ढंग से किया गया है। इसके साथ ही सुन्दर साथ जी के आवास गृह व शौचालय व स्नान गृहों की समुचित व्यवस्था भी है व आगे श्री अहूजा जी के प्रयत्न से इनमें और भी तरक्की होने की संभावना है। आश्रम की ओर से एक जूनियर हाई स्कूल भी संचालित हो रहा है जिसमें सैकड़ों विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है साथ ही इसमें प्रणामी धर्म के अंकुर जागृत किये जा रहे हैं।

जैसा कि मुझे यहां आने पर ज्ञात हुआ कि श्री अहूजा जी ने सैकड़ों पढ़े-लिखे लोगों को दीक्षित करके नए प्रणामी बनाये हैं जो धर्म प्रचार में एक सराहनीय कार्य है।

अन्त में श्री भाई जगदीश चन्द्र जी की दीर्घायु एवं सुख समृद्धि की कामना करते हुए इस आश्रम एवं व्यवस्थापकों के प्रति अपनी शुभ कामनायें प्रेषित करता हूँ।

भवदीय—
मानिकलाल शर्मा
सेक्रेटरी
बोर्ड आफ ट्रस्टीज
श्री १०८ प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट
धाम-पन्ना।

★

दीपावली का पावन त्यौहार एवं नव वर्ष
समस्त सुन्दर साथ एवं प्राणी मात्र
के लिए मंगलमय एवं
शुभ हो।

—'धाम दर्शन'

Nijanand App